Code No. 3/1
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 19 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 100*

निर्देश **:** *(i)* *इस प्रश्नपत्र के* ***चार*** *खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्दों या एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(क) द्रविड़ भाषा-परिवार की किन्हीं दो भाषाओं के नाम लिखिए। 1

(ख) बिहारी उपभाषा-वर्ग की किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए। 1

(ग) भारत-संघ की राजभाषा और उसकी लिपि का नाम लिखिए। 1

(घ) कार्यालयी हिन्दी से क्या तात्पर्य है ? 1

2. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) प्रतिभा, बचपन। (विशेषण में बदलकर लिखिए) 1

(ख) चलो, वहाँ चलें। (क्रिया-विशेषण छाँटकर उसका भेद भी लिखिए) 1

(ग) घंटी बजी है, कोई आया है। (रेखांकित पदों का परिचय दीजिए) 2

(घ) विधवा, बूढ़ा। (भाववाचक संज्ञा में बदलकर लिखिए) 1

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) ओह ! कैसे बादल घिरकर आए हैं ! (अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए) 1

(ख) मैंने उसे पुकारकर कहा कि अभी उधर मत जाओ। (प्रधान उपवाक्य छाँटकर लिखिए) 1

(ग) उन्होंने हमारे यहाँ खाना नहीं खाया। वे केवल कुछ गीत सुनकर ही चले गए।
(एक सरल वाक्य में संश्लेषण कीजिए) 1

(घ) सभी विद्यार्थियों ने शिक्षक-दिवस पर अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।
(उद्देश्य और विधेय अलग-अलग करके लिखिए) 1

4. (क) अतिशयोक्ति **अथवा** अन्योक्ति अलंकार का कोई एक उदाहरण दीजिए। 1

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(i) <u>नाथ सकल सुख साथ तुम्हारे</u>। 1

(ii) <u>चाटत रह्यौ स्वान पातरि ज्यौं</u>, कबहुँ न पेट भर्यो। 1

(iii) <u>खुले कोरे पृष्ठ जैसा</u>
वही उज्ज्वल, वही पावन रूप। 1

खण्ड ख

5. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 8

(क) <u>काल्ह करै सो आज कर</u> :

(i) सूक्ति का स्पष्टीकरण

(ii) सफलता का मंत्र है समय-नियोजन

(iii) टालू प्रवृत्ति घातक

(iv) कुछ उदाहरण

(v) निष्कर्ष

(ख) <u>स्वास्थ्य और व्यायाम</u> :

(i) स्वस्थ तन-मन के बिना जीवन बोझ

(ii) अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपेक्षित कार्यक्रम

(iii) शारीरिक स्वास्थ्य और व्यायाम

(iv) मानसिक स्वास्थ्य और व्यायाम

(v) स्वस्थ व्यक्ति से स्वस्थ समाज का निर्माण

(ग) <u>विज्ञापन और हमारा जीवन</u> :

(i) विज्ञापन का उद्देश्य

(ii) विज्ञापनों के विविध प्रकार

(iii) निर्णय को प्रभावित करने में विज्ञापनों की भूमिका

(iv) विज्ञापनों का सामाजिक दायित्व

(v) निष्कर्ष

6. चुनाव के दिनों में आपके शहर की दीवारें नारे लिखने और पोस्टर चिपकाने से गंदी हो गई हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 4

अथवा

अपने जन्म-दिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद-पत्र लिखिए।

7. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक-तिहाई शब्दों में लिखिए : 3

उपलब्धियों को लेकर प्रायः दो प्रकार के दृष्टिकोण पाए जाते हैं। एक दृष्टिकोण तो यह है कि जो हमारे पास है, अथवा जो हमने अपने प्रयत्नों से पाया है, उसके लिए ईश्वर और अपने छोटे-बड़े सहायकों को धन्यवाद दें और जो हमारे पास नहीं है, उसके लिए फिर से नया उत्साह और नए प्रयत्न लेकर हम कोशिश करें। दूसरा दृष्टिकोण यह है कि हमारे पास नहीं है, उसके लिए हम शिकायत करें और बोझिल मन-प्राण लिए दुखी रहें। मर्ज़ी है आपकी; जो-चाहे करें — चाहे धन्यवाद दें, प्रसन्न रहें, आशाओं से खिले रहें अथवा शिकायती दृष्टिकोण लेकर जिस-तिस को दोष दें; किन्तु इतना अवश्य जान लें कि दोनों स्थितियों में ज़मीन-आसमान का अंतर है। धन्यवाद देने वाला और कृतज्ञता से भरा मन ताज़गी, गतिशीलता, साहस और आत्मविश्वास से भरा रहता है जबकि शिकायत करने वाला मन धीरे-धीरे म्लान, निर्जीव, बोझिल और रोगी हो जाता है। धन्यवाद देने वाला मन पास-पड़ोस के प्रति आत्मीयता से भर उठता है जबकि बात-बात में दूसरों को दोष देने वाला शिकायती मन निराशा से भरा रहता है।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

कुछ लोग विद्यार्थियों की अनुशासनहीनता का मुख्य कारण माता-पिता की ढिलाई मानते हैं। माता-पिता के संस्कार ही बच्चे पर पड़ते हैं। बच्चे की प्राथमिक पाठशाला घर से होती है। यदि घर का वातावरण ही दोषपूर्ण है तो उसके संस्कार उन्नत कैसे हो सकते हैं ! पहले तो प्यार के कारण माता-पिता बच्चे के खराब व्यवहार, अशिष्टता और खराब भाषा की ओर ध्यान नहीं देते, किन्तु जब हाथी के दाँत बाहर निकल आते हैं तो उन्हें चिंता होती है और वे विद्यालय और शिक्षकों की आलोचना करना आरंभ कर देते हैं। बच्चों के दोषपूर्ण व्यवहार और संस्कारों का एक कारण हमारी दोषपूर्ण शिक्षा-प्रणाली भी है, जिसमें नैतिक या चारित्रिक शिक्षा को कोई स्थान नहीं दिया जाता। पहले विद्यार्थियों को दंड का भय बना रहता था, किन्तु अब शारीरिक दंड अपराध माना जाता है; शिक्षक केवल ज़बानी जमा-ख़र्च ही कर सकते हैं। पश्चिमी संगीत, नृत्य तथा चलचित्रों ने भी विद्यार्थियों को बहुत हानि पहुँचाई है। इनके कारण उनमें चारित्रिक दृढ़ता न रहकर उच्छृंखलता इस सीमा तक बढ़ गई है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान न दिया गया तो देश का भविष्य ही अंधकारपूर्ण हो सकता है।

(i) माता-पिता की ढिलाई का विद्यार्थियों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ? 1

(ii) 'किन्तु जब हाथी के दाँत बाहर निकल आते हैं तो उन्हें चिंता होती है' — कथन का आशय बताइए। 1

(iii) आधुनिक शिक्षा-प्रणाली अनुशासनहीनता को कैसे बढ़ावा दे रही है ? 1

(iv) शारीरिक दंड दिए जाने के पक्ष **अथवा** विपक्ष में दो तर्क दीजिए। 1

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे हैं,
जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं ?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं ?
हैं हमीं प्रकम्पित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय।
फिर एक बार हे विश्व ! तुम, गाओ भारत की विजय।।
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा,
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।
बतलाओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा,
पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा !
बस युद्ध-मात्र को छोड़कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय !
फिर एक बार हे विश्व ! तुम गाओ भारत की विजय !

(i) 'पहले जागे हैं' से क्या ताप्पर्य है ? 1

(ii) 'हैं हमीं प्रकम्पित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय' इस कथन से हमारी किस विशेषता का बोध होता है ? 1

(iii) उन पंक्तियों को उद्‌धृत कीजिए जो हमारी दयालुता की ओर संकेत करती हैं। 1

(iv) विश्व को भारत का जयघोष करने के लिए क्यों कहा गया है ? 1

खण्ड घ

10. निम्नलिखित गद्यांशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) उसके सारे पत्ते सहसा मुरझा गए, सहसा पीले पड़ गए, एक-एक कर नीचे गिर गए। टहनियाँ डालों में समा गईं। डालें जैसे तने में खो गईं। तने को सँभालने के लिए जड़ें मिट्टी के भीतर से उभर आईं और तब से वह महाकाय तरु, जिसके नीड़ों में अनंत स्नेह पलता था, ठूँठ हो गया और आज युगों से बहते जीवन के चौराहे पर वह बदलती परिस्थितियों का मूर्तिमान त्रास बना चुपचाप खड़ा है। वृक्ष जड़ हो गया है, आज निस्पंद है, निरभिलाष, सुन्न।

(i) ठूँठ होने से पहले आम के पेड़ के रूप-सौंदर्य का वर्णन कीजिए। 2

(ii) उस वृक्ष को 'मूर्तिमान त्रास' क्यों कहा गया है ? 2

(ख) मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे-देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती हैं। उसको काट देना, उस स्व-निर्धारित आत्मबंधन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाती है।

(i) मानव-जीवन की सार्थकता किन गुणों में निहित है ? 2

(ii) नाखूनों के बढ़ने और काट देने का आशय लेखक के अनुसार क्या है ? 2

11. (क) नींव की ईंट और कंगूरे की ईंट के माध्यम से लेखक ने किस सत्य को उजागर करने का प्रयत्न किया है ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 3

(ख) 'मैं और मेरा देश' निबंध में लेखक ने कहा है कि युद्ध में जय बोलने वालों का भी बहुत महत्त्व है। अपने अनुभव के आधार पर इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए। 3

12. (क) 'महामानव निराला' पाठ के आधार पर निराला के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताओं को उजागर करने वाला एक-एक उदाहरण संक्षेप में लिखिए : 3

(i) परोपकार

(ii) स्वाभिमान

(ख) 'राजस्थान के एक गाँव की तीर्थ-यात्रा' में लेखक के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं कि तिलोनिया में हमारे देश के सम-सामयिक इतिहास का एक विस्मयकारी पन्ना लिखा जा रहा है ? 3

13. (क) सहना को रुपए देते समय हल्कू के मन पर क्या बीत रही थी ? — 'पूस की रात' कहानी के आधार पर लिखिए। 2

(ख) 'डायरी के पृष्ठों से' पाठ के आधार पर मास्टरजी के व्यक्तित्व की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

14. निम्नलिखित काव्यांशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) कहाँ रहति, काकी है बेटी, देखी नाहिं कबहूँ ब्रज खोरी।।
काहे कौं हम ब्रज-तन आवतिं, खेलति रहतिं आपनी पौरी।
सुनत रहतिं स्रवननि नंद-ढोटा करत फिरत माखन-दधि चोरी।।
तुम्हरौं कहा चोरि हम लैहैं, खेलन चलो संग मिलि जोरी।
सूरदास प्रभु रसिक-सिरोमनि, बातनि भुरइ राधिका भोरी।।

(i) उपर्युक्त पद के आधार पर बताइए कि कृष्ण को 'रसिक-शिरोमणि' क्यों कहा गया है। 2

(ii) उपर्युक्त पंक्तियों में वर्णित राधा और कृष्ण की बातचीत को अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ख) क्योंकि मैं पहचान पाया हूँ कि मैं हूँ मुक्त, बंधनहीन
और तू है मात्र भ्रम, मन-जात, मिथ्या वंचना
इसलिए इस ज्ञान के आलोक के पल में
मिल गया है आज मुझको सत्य का आभास
और ओ मेरी नियति !
मैं छोड़कर पूजा
— क्योंकि पूजा है पराजय का विनत स्वीकार —
बाँधकर मुट्ठी तुझे ललकारता हूँ।

(i) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कवि को किस सत्य का आभास हो गया। 2

(ii) इस काव्यांश में कवि किसे ललकार रहा है और क्यों ? 2

15. निम्नलिखित काव्यांश का भाव-सौंदर्य तथा शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 4+4

कार्तिक की हँसमुख सुबह
नदी-तट से लौटती गंगा नहा कर
सुवासित भीगी हवाएँ
सदा पावन
माँ सरीखी
अभी जैसे मंदिरों में चढ़ा कर खुशरंग फूल,
ठंड से सीत्कारती घर में घुसी हों।

अथवा

नहिं परागु, नहिं मधुर मधु, नहिं विकासु इहिं काल।
अली, कली ही सौं बँध्यौ, आगै कौन हवाल।।

16. (क) ‘एक अजीब दिन’ कविता में कवि ने उस दिन-विशेष को ‘एक अजीब दिन’ क्यों कहा है ? उसके अनोखेपन को स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

कीर्ति चौधरी की कविता ‘वक़्त’ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मानव-स्वभाव की सहजता को भुला देने का क्या परिणाम हुआ है।

(ख) ‘बादल-राग’ कविता को ध्यान में रखते हुए बादलों के उमड़ने, घुमड़ने और बरसने का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए। 3

अथवा

‘राम वन-गमन’ कविता के आधार पर सीता और ग्रामीण महिलाओं के बीच हुए संवादों को अपने शब्दों में लिखिए।

17. नरेश मेहता **अथवा** प्रेमचंद के जीवन और साहित्यिक विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। 3

18. 'मधु-संचय भाग-2' के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2=6

(क) 'काश, मैं मोटर साइकिल होता' के आधार पर लिखिए कि अन्ततः लेखक की मोटर-साइकिल का क्या हुआ।

(ख) भारत से निष्कासित कर दिए जाने पर भी सुभाष चन्द्र बोस ने भगवान को धन्यवाद क्यों दिया?

(ग) ''आम की गुठली से बबूल पनपते मैंने पहली बार देखा।'' — 'ऋण-शोध' कहानी में विकास ने यह बात किस प्रसंग में कही और क्यों ?

(घ) 'कोटर और कुटीर' कहानी के आधार पर बताइए कि चातक-पुत्र वापस अपने कोटर की ओर ही क्यों लौट चला ?

19. 'मुग़लों ने सल्तनत बख़्श दी' कहानी के माध्यम से लेखक द्वारा किए गए व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। 4